28-29 Apr. 2024

# DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

**Date: 28-29 Apr. 2024**

## Important News Articles

1. ग्लोबल वार्मिंग पर अल नीनो के सुपरपोजिशन के कारण अपेक्षा से अधिक गर्म - द हिंदू
2. संयुक्त राष्ट्र से संबंधित निकाय GANHRI भारत के मानवाधिकारों की समीक्षा करेगा - द हिंदू
3. केमिस्ट समूह ने बिना लाइसेंस के दवाई बेचने के केंद्र के फैसले का विरोध किया-द हिंदू
4. भारत अपने मध्य पूर्व संबंधों में वृद्धि हेतु ओमान के साथ व्यापार समझौता करने के लिए तैयार-द हिंदू
5. भारतीय तटरक्षक बल ने पाकिस्तानी नाव से 600 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की - इंडियन एक्सप्रेस
6. चीन से भारत का आयात बढ़कर 101 बिलियन डॉलर हुआ - द हिंदू
7. केंद्र ने कर्नाटक और तमिलनाडु के लिए आपदा राहत कोष जारी किया - द हिंदू

## Editorials, Gists and Explainers

8. उत्तराखंड में दावानल से सम्बंधित मामला - इंडियन एक्सप्रेस
9. EVM में सिंबल लोडिंग यूनिट (SLU) - इंडियन एक्सप्रेस
10. भारत में असमानता और धन का संकेंद्रण से सम्बंधित मामला - द हिंदू

## Quick Look

1. ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस (GANHRI)
2. सोलर फ्लेयर्स
3. जलवायु प्रौद्योगिकी केंद्र एवं नेटवर्क (CTCN):
4. एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी (ARCs)
5. थार रेगिस्तान:

# महत्वपूर्ण समाचार लेख

## सामान्य अध्ययन I

## 1. ग्लोबल वार्मिंग पर अल नीनो के सुपरपोजिशन के कारण अपेक्षा से अधिक गर्म - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- एंटीसाइक्लोन
- साइक्लोन

**समाचार:**
- **प्री-मॉनसून** समाप्ति के दौरान **भारतीय ईस्टरली जे**ट पर **एल नीनो** का प्रभाव एक **मजबूत और अधिक** लगातार **एंटीसाइक्लोन** का उत्पादन करता है जो लंबे समय तक चलने वाली और तीव्र गर्मी की लहरों का कारण बनता है।

**मुख्य बिंदु:**
- मार्च में, **उत्तरी हिंद महासागर** के ऊपर **एंटीसाइक्लोन परिसंचरण** के कारण **ओडिशा** में **असामान्य वर्षा** हुई।
- **ग्लोबल वार्मिंग स्थानीय स्तर** पर **अनूठी विशेषताएं** बनाती है जो ठंडे **पृष्ठभूमि तापमान** के **शीर्ष पर गर्मी** की लहरों को नियंत्रित करती है।
- इस मौसम में **भारत में गर्म लहरें विशेष** चिंता का विषय रही हैं
  - कुछ लगातार **परिसंचरण पैटर्न गर्मी** की लहरें पैदा कर रहे हैं और यह **पैटर्न भविष्यवाणियों** में सुधार के लिए **केंद्र बिंदु** के रूप में कार्य करता है।

**एंटीसाइक्लोन:**
- **एंटीसाइक्लोन स्थितियों** में **हवाएँ दक्षिणावर्त दिशा** में चलती हैं , जिसके बीच में **हवा नीचे** की ओर बहती है । जमीन से टकराते ही **हवा संपीड़ित** और **गर्म** हो जाती है और एक **उच्च दबाव ताप गुंबद** बना सकती है।
- **प्री-मानसून सीज़न के दौरान,**
  - ऊपरी स्तर का **इंडियन ईस्टर्नली जेट (IEJ**) अरब सागर, **प्रायद्वीपीय** भारत और बंगाल की खाड़ी के पार, **ऊपरी वायुमंडल** में आकार लेना शुरू कर देता है।
  - उत्तर में एक सशक्त पश्चिमी जेट मौजूद है।
- **मानसून** के **मौसम** के दौरान **पश्चिमी जेट** को **उत्तर** की ओर धकेल दिया जाता है और **IEJ भारतीय उपमहाद्वीप** पर हावी रहता है।
- इन दोनों के द्वारा **हिंद महासागर और भारतीय उपमहाद्वीप** पर **एंटीसाइक्लोन स्थितियाँ** उत्पन्न हो सकती हैं।
- एक मजबूत **एंटीसाइक्लोन** भारत के कई हिस्सों में **शुष्क और गर्म मौसम** ला सकता है जबकि एक कमजोर **एंटीसाइक्लोन** हल्का मौसम पैदा कर सकता है।

**आगे की राह:**
- भारत की पूर्वानुमान प्रणाली और पूर्व अलर्ट प्रणालियों में सुधार हुआ है।
  - हालाँकि, भारत में हर स्थान पर मौसम के प्रक्षेप पथ की बेहतर भविष्यवाणी करके भविष्य के लिए रेसिलिएंस बनाने की चुनौतियाँ बनी हुई हैं ।
- इसे निरंतर सफल बनाने के लिए **सरकारों, उ**नके **विभागों** और **बड़े पैमाने** पर **लोगों को प्रशिक्षित** करने और इसमें शामिल होने की आवश्यकता है।

# सामान्य अध्ययन II

## 2. संयुक्त राष्ट्र से संबंधित निकाय GANHRI भारत के मानवाधिकारों की समीक्षा करेगा - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- GANHRI
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
- पेरिस सिद्धांत

**समाचार:**
- **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)** अपनी **"ए स्टैटस"** को बरकरार रखने के लिए संयुक्त **राष्ट्र-मान्यता प्राप्त ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस (GANHRI)** की बैठक में सरकार की **मानवाधिकार प्रक्रियाओं** का बचाव करने की तैयारी कर रहा है।

**मुख्य बिंदु:**
- **वर्ष 2023** में **चिंताओं** को लेकर **NHRC** की रेटिंग रोक दी गई थी
  - संरचना प्रक्रिया
  - मानवाधिकार जांच में पुलिस कर्मियों की उपस्थिति
  - लैंगिक और अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व का अभाव।
- **NHRC** को **A** या **B** रेटिंग दी जाती है या नहीं, इससे **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद** और कुछ **UNGA निकायों** में मतदान करने की उसकी क्षमता प्रभावित होगी।
- यह बैठक **114 सदस्यीय गठबंधन** के **प्रत्येक सदस्य** के लिए **पांच साल** की **सहकर्मी समीक्षा** के हिस्से के रूप में आयोजित की जाएगी।
- **वर्ष 1999** में मान्यता प्राप्त होने के बाद से **भारत** ने **वर्ष 2006** और **वर्ष 2011** में अपनी A रैंकिंग बरकरार रखी, जबकि **वर्ष 2016** में इसकी स्थिति स्थगित कर दी गई और एक साल बाद बहाल कर दी गई।

**GANHRI**
- **मानवाधिकारों** के **प्रचार** और **संरक्षण** के लिए **राष्ट्रीय संस्थानों** की **अंतर्राष्ट्रीय समन्वय समिति** के रूप में **वर्ष 1993** में स्थापना की गई
  - **वर्ष 2016** में इसने अपना नाम बदलकर **ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस (GANHRI)** कर लिया है
- यह **सदस्य-आधारित नेटवर्क संगठन** बनाने के लिए दुनिया भर से **NHRI** को इकट्ठा करता है
- यह **अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार प्रणाली** का एक सम्मानित भागीदार है।
- **GANHRI** के **वकालत कार्य** का उद्देश्य **NHRI** की आवाज़ और अनुभवों को **वैश्विक चर्चाओं** में लाकर **अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्र** और **प्रक्रियाओं** के वास्तविक परिणामों को **सकारात्मक** रूप से प्रभावित करना है।
- **संयुक्त राष्ट्र पेरिस सिद्धांतों और गंहरि क़ानून** के अनुसार , मान्यता के लिए निम्नलिखित वर्गीकरण:
  - A. पेरिस सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से अनुपालन;
  - B. आंशिक रूप से पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप।

**पेरिस सिद्धांत:**
- ये **राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं** की स्थिति से संबंधित सिद्धांत हैं
  - उन्होंने **न्यूनतम मानक निर्धारित** किए हैं जिन्हें **विश्वसनीय** माने जाने और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए **NHRI** को पूरा करना होगा।
- **पेरिस सिद्धांतों** के प्रमुख स्तंभ **बहुलवाद**, **स्वतंत्रता** और **प्रभावशीलता** हैं।

**राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग:**
- **भारत** का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) **वर्ष 1993** में स्थापित किया गया था।

- यह पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप है।
- NHRC **मानवाधिकारों** के **प्रचार** और **संरक्षण** के लिए **भारत** की चिंता का प्रतीक है।
- इसकी स्थापना **मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993** के तहत की गई है, जिसे मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) **अधिनियम, 2006** द्वारा संशोधित किया गया है।
- आयोग में एक अध्यक्ष, **पांच पूर्णकालिक सदस्य** और **सात मानद सदस्य** होते हैं।
  - अध्यक्ष **भारत** का **पूर्व मुख्य न्यायाधीश** या **सर्वोच्च न्यायालय** का **न्यायाधीश** होता है।
- **क़ानून आयोग** के **अध्यक्ष** और **सदस्यों** की **नियुक्ति** के लिए **योग्यताएँ निर्धारित** करता है।

## 3. केमिस्ट समूह ने बिना लाइसेंस के दवाई बेचने के केंद्र के फैसले का विरोध किया-द हिंदू

**प्रासंगिकता:** विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- DTAB
- ओवर-द-काउंटर (OTC) ड्रग्स

**समाचार:**
- **ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD)** ने कहा है कि **भारत** में बिना **लाइसेंस के ओवर-द-काउंटर (OTC)** दवाओं की बिक्री की अनुमति देने का **केंद्र सरका**र का प्रस्ताव गहरी चिंता का कारण है।
- ऐसा कदम **मौजूदा दवा कानूनों, फार्मेसी नियमों और सर्वोच्च न्यायालय** के निर्देशों सहित प्रासंगिक कानूनी ढांचे का उल्लंघन होगा।

**मुख्य बिंदु:**
- उचित विनियमन के बिना OTC दवा बिक्री की अनुमति देना गंभीर खतरे पैदा करता है
  - नशीली दवाओं के दुरुपयोग सहित
  - प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया का खतरा बढ़ गया
  - स्वास्थ्य सेवा तक देरी से पहुंच
  - दवाओं के भंडारण में समझौता संभव
- OTC सामान्य, स्व-उपचारित चिकित्सा समस्याओं और सर्दी, हल्की असुविधा, एलर्जी और अन्य सौम्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे लक्षणों का इलाज करता है।

**ओवर-द-काउंटर ड्रग्स**
- **अतुल गोयल पैनल:** दवाओं के लिए भारत की नई OTC नीति, जिसका उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उपचार लागत को कम करना और स्व-देखभाल को बढ़ावा देना है।
  - **विशेष रूप** से **ग्रामीण क्षेत्रों** में **आमतौर** पर उपयोग की जाने वाली **दवाओं** तक पहुंच में सुधार करना
  - नागरिकों के लिए उपचार लागत कम करें
  - जिम्मेदार स्व-देखभाल गतिविधियों को बढ़ावा दें
  - OTC दवाओं की सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करें
- **औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940**, और **औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम**, 1**945, OTC दवाओं** को परिभाषित नहीं करते हैं ।
- **औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (DTAB):** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय जो दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों से संबंधित तकनीकी मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देता है।
  - औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत स्थापित
  - इसमें चिकित्सा, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं
  - दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपायों की सिफारिश करता है
  - दवाओं और कॉस्मेटिक के आयात, निर्माण, वितरण और बिक्री पर सलाह देता है

# सामान्य अध्ययन III

## 4. भारत अपने मध्य पूर्व संबंधों में वृद्धि हेतु ओमान के साथ व्यापार समझौता करने के लिए तैयार-द हिंदू

**प्रासंगिकता:** भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- GCC
- भारत-ओमान संबंध

**समाचार:**
- **भारत और ओमान** आने वाले **महीनों** में एक **व्यापार समझौते** पर हस्ताक्षर करेंगे, क्योंकि **नई दिल्ली पश्चिम एशिया** में अपने **संबंधों** का विस्तार करना चाहता है, जहां बढ़ते तनाव **प्रमुख शिपिंग मार्गों** को खतरे में डाल रहे हैं।
- यह भारत को एक **सामरिक साझेदार** और में तक पहुंच बनाने में मदद करेगा।

**मुख्य बिंदु:**
- **भारत और ओमान** के बीच **वार्षिक व्यापार 13 अरब डॉलर** से भी कम है ।
- यह सम्बन्ध **नई दिल्ली** के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि **खाड़ी देश ओमान** और **ईरान** के बीच **होर्मुज** की **संकीर्ण जलडमरूमध्य** का प्रवेश द्वार है, जो वै**श्विक तेल शिपमेंट** के लिए एक प्रमुख पारगमन बिंदु है।
- **भारत** ने **ओमान** और **संयुक्त अरब अमीरात** जैसे **GCC**(खाड़ी सहयोग परिषद) के सदस्य देशों के साथ **द्विपक्षीय समझौते** की मांग की है।
- **ओमान** के साथ नियोजित सौदा "**प्रतिस्पर्धी** बढ़त भी देता है क्योंकि **GCC** पाकिस्तान और चीन के साथ **व्यापार समझौतों** पर बातचीत कर रहा है,

**खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)**
- **अरब प्रायद्वीप** में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात **छह देशों** का एक **राजनीतिक और आर्थिक गठबंधन** है ।
- **वर्ष 1981** में स्थापित, GCC **छह राज्यों** के बीच **आर्थिक, सुरक्षा, सांस्कृतिक** और **सामाजिक सहयोग** को बढ़ावा देता है और **सहयोग और क्षेत्रीय मामलों** पर चर्चा करने के लिए **हर साल** एक **शिखर सम्मेलन** आयोजित करता है।
- सभी मौजूदा **सदस्य देश राजतंत्र** हैं, जिनमें **तीन संवैधानिक राजतंत्र** (कतर, कुवैत और बहरीन), **दो पूर्ण** राजतंत्र (सऊदी अरब और ओमान), और एक **संघीय राजतंत्र** (संयुक्त अरब अमीरात) शामिल हैं।

**भारत और GCC:**
- खाड़ी भारत के 'विस्तारित पड़ोस' का एक अभिन्न अंग है,
- **भारत** अपने कुल **तेल आयात** के **42 प्रतिशत** के लिए **छह खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)** देशों पर निर्भर है, **भारत** के शीर्ष **पांच तेल आपूर्तिकर्ताओं** में से **तीन खाड़ी देश** हैं।
- **भारतीय** सबसे बड़ा श्रमिक समुदाय हैं, अनुमानित **7.6 मिलियन भारतीय नागरि**क इस क्षेत्र में विशेष रूप से **सऊदी अरब** और **संयुक्त अरब अमीरात** में रहते हैं और काम करते हैं।
- **GCC** भारत का सबसे बड़ा **क्षेत्रीय-ब्लॉक व्यापारिक** भागीदार है , जिसका **व्यापार $104 बिलियन** है

**भारत ओमान संबंध**
- **सैन्य उपयोग** और **रसद सहायता** के लिए **ओमान** में **डुक्म** के **प्रमुख बंदरगा**ह तक पहुंच हासिल कर ली है ।
- **सैन्य अभ्यास:**
  - सेना अभ्यास: अल नजाह
  - वायु सेना अभ्यास: ईस्टर्न ब्रिज
  - नौसेना अभ्यास: नसीम अल बह्र
- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) ने ओमान में ढोफ़र विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन-हिंदी भाषा का एक अध्यक्ष स्थापित किया है।
- **वर्ष 2022** के लिए **ओमान** के **कच्चे तेल निर्यात** के लिए **चीन** के बाद **भारत** दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

## 5. भारतीय तटरक्षक बल ने पाकिस्तानी नाव से 600 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की - इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता:** सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन - आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- ATS
- तटरक्षक बल

**समाचार:**
- **भारतीय तट रक्षक (ICG)** ने एक **पाकिस्तानी नाव** से **602 करोड़** रुपये **मूल्य** की **86 किलोग्राम** संदिग्ध **हेरोइन** जब्त की, जो **गुजरात** में **पोरबंदर तट** से **तमिलनाडु** के रास्ते **श्रीलंका** जा रही थी।
- **आतंकवाद-रोधी दस्ते (ATS)** और **नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB)** के साथ एक **संयुक्त ICG ऑपरेशन** के दौरान दवाओं को जब्त किया गया था, जिसके दौरान **भारतीय पक्ष** ने गोलीबारी की थी, जिसमें **चालक दल** के सदस्यों में से एक घायल हो गया था।

**नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB)**
- यह **भारत** में एक **सरकारी** एजेंसी है जिसका काम **अवैध नशीली दवाओं** के उपयोग और तस्करी से लड़ना है।
- **वर्ष 1986** में स्थापित, यह **स्वापक औषधि** और **मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम** को लागू करने के लिए **गृह मंत्रालय** के तहत काम करता है।
  - जो ऐसे पदार्थों के उत्पादन और बिक्री पर नियंत्रण रखता है।
- यह अधिनियम **नशीले पदार्थों** के **नियंत्रण** पर **अंतर्राष्ट्रीय समझौतों** को कायम रखने की **भारत** की **प्रतिबद्धता** को दर्शाता है।

**आतंकवाद निरोधी दस्ता (ATS)**
- यह महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सहित भारत के कई राज्यों में एक विशेष पुलिस बल है।
- महाराष्ट्र में इसका नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ द्वारा किया जाता है। इस दस्ते ने देश में कई आतंकवादी हमलों को रोका है।

**उद्देश्य एवं कर्तव्य**
- राष्ट्रविरोधी तत्वों के बारे में जानकारी जुटाना
- IB और RAW जैसी ख़ुफ़िया सेवाओं के साथ समन्वय और आदान-प्रदान।
- आतंकवादियों, माफियाओं और अन्य संगठित आपराधिक सिंडिकेटों की गतिविधियों और गतिविधियों पर नजर रखना और उन्हें खत्म करना।
- नकली नोटों और नशीले पदार्थों के घोटाले का पता लगाना और उसका खुलासा करना।

## 6. चीन से भारत का आयात बढ़कर 101 बिलियन डॉलर हुआ - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- RCEP
- भारत-चीन व्यापार

**समाचार:**
- एक रिपोर्ट में कहा गया है कि **दूरसंचार, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स** जैसे **चीनी औद्योगिक सामानों** पर **भारत की निर्भरता** बढ़ने के साथ, **नई दिल्ली** के ऐसे सामानों के **आयात** में **बीजिंग** की हिस्सेदारी पिछले **15 वर्षों में 21%** से बढ़कर **30%** हो गई है।

**मुख्य बिंदु:**
- **ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI)** की रिपोर्ट में कहा गया है, चीन के साथ बढ़ता व्यापार घाटा चिंता का कारण है।
- इस निर्भरता के **रणनीतिक निहितार्थ** गहरे हैं, जो न केवल आर्थिक बल्कि **राष्ट्रीय सुरक्षा आयामों** को भी प्रभावित कर रहे हैं।

**चीन के साथ भारत का व्यापार:**
- **वर्ष 2019 से वर्ष 2024** तक, चीन को भारत का निर्यात लगभग **16 बिलियन डॉलर** सालाना पर स्थिर हो गया है।
- जबकि **चीन** से आयात **वर्ष 2018-1**9 में **70.3 बिलियन डॉलर** से बढ़क**र वर्ष 2023-24** में 101 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।

- चीन से होने वाले इन **आयातों** में से **100 अरब डॉलर** या **98.5%** प्रमुख **औद्योगिक उत्पाद श्रेणियों** में थे, जो एक बड़ी चिंता का विषय है।
- चीन से आयात की वृद्धि भारत की कुल आयात वृद्धि की तुलना में बहुत तेज़ रही है
- **भारत** में **चीन** का निर्यात अन्य **सभी देशों** से **भारत** के **कुल आयात** की तुलना में **2.3 गुना** तेजी से बढ़ रहा है।

**चीन को भारत का निर्यात:**

- **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय** के अनुसार, हाल के **वर्षों** में **चीन को भारत** का निर्यात धीरे-धीरे बढ़ रहा है।
- वित्तीय **वर्ष 2020-21** में, **चीन** को **भारत का निर्यात 21.2 बिलियन डॉलर** का था, जो **वर्ष 2019-20** में **16.7 बिलियन डॉलर** से अधिक है।
- **निर्यात की वस्तुएँ:** भारत द्वारा चीन को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में कार्बनिक रसायन, सूती धागा, तांबा और अयस्क शामिल हैं।

**भारत की रणनीति:**

- **आयात विविधता**
  - भारत को **वियतनाम**, **दक्षिण कोरिया**, **जापान**, **ताइवान** और **इंडोनेशिया** जैसे अन्य देशों से अपने आयात में **विविधता** लाकर **चीनी आयात** पर अपनी **निर्भरता** कम करने की आवश्यकता है।
- **निर्यात को बढ़ावा:**
  - भारत चीन को अपना निर्यात बढ़ाने, **इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स** और **रसायन** जैसे **उच्च मूल्य** वाले **उत्पादों** का **निर्यात** करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।
- **घरेलू उद्योग:**
  - **भारत** को **आयात** पर **निर्भरता** कम करने के लिए अपने **घरेलू उद्योगों** को विकसित करने की आवश्यकता है।
  - इससे न केवल **व्यापार असंतुलन** को कम करने में मदद मिलेगी बल्कि **भारत** में **रोजगार** के अवसर भी पैदा होंगे।

## 7. केंद्र ने कर्नाटक और तमिलनाडु के लिए आपदा राहत कोष जारी किया - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- मिचौंग
- साइक्लोन

**समाचार:**

- **तमिलनाडु** और **कर्नाटक** की **सरकारों** ने **वर्ष 2023** में **साइक्लोन मिचौंग**, बाढ़ और सूखे जैसी **आपदाओं** के लिए रा**हत राशि की मांग** करते हुए **सुप्रीम कोर्ट** का रुख किया।
- केंद्र सरकार ने **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF**) से "**प्राकृतिक आपदा** के लिए राहत सहायता" के लिए **₹3,730.32 करोड़** जारी करने का आदेश दिया है।

**मुख्य बिंदु**

- **वित्त मंत्रालय** के एक आदेश में कहा गया है कि **गृह मंत्रालय (MHA)** की सिफारिश के आधार पर **राज्य सरकारों** को राशि जारी की जा रही है।
- 23 मार्च को **कर्नाटक सरकार** इसके खिलाफ **सुप्रीम कोर्ट** पहुंची थी
- **SDRF पीड़ितों** को तत्काल राहत प्रदान करने पर होने वाले व्यय को पूरा करने के लिए अधिसूचित आपदाओं की प्रतिक्रिया के हिस्से के रूप में **राज्य सरकारों** के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि है।
- केंद्र **सामान्य श्रेणी** के **राज्यों** और **केंद्र शासित प्रदेशों** के लिए **SDRF आवंटन** का **75%** और **विशेष श्रेणी** के राज्यों (पूर्वोत्तर राज्य, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर) के लिए **90%** का योगदान देता है।
- **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** की **धारा 46** के अनुसार, "NDRF **राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष** (SDRF) को पूरक बनाता है।"
  - गंभीर प्रकृति की आपदा की स्थिति में, बशर्ते **SDRF** में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध न हो।
- राज्यों को उपयोगिता प्रमाणपत्र जमा करना होता है, जिसके लंबित रहने पर भविष्य में कोई आवंटन नहीं किया जाता है।

**राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष**

- वर्ष 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम के अधिनियमन के साथ राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि (NCCF) का नाम बदलकर **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF)** कर दिया गया।
- इसे **आपदा प्रबंधन अधिनियम**, 2005 (**DM अधिनियम)** की **धारा 46** में परिभाषित किया गया है।
- इसे भारत सरकार के **"पब्लिक अकाउंट"** में "**ब्याज रहित आरक्षित निधि**" के अंतर्गत रखा जाता है।

**पब्लिक अकाउंट:**

- इसका गठन **संविधान** के **अनुच्छेद 266(2)** के तहत किया गया था।
- यह उन लेनदेन के लिए प्रवाह का हिसाब रखता है जहां सरकार केवल एक **बैंकर** के रूप में कार्य कर रही है जैसे भविष्य निधि, छोटी बचत आदि।
- ये धनराशि सरकार की नहीं है और इन्हें कुछ समय पर वापस भुगतान करना होगा।
- इससे होने वाले व्यय को संसद द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता नहीं है।

**साइक्लोन मिचौंग**

- यह साइक्लोन **दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी** में कम दबाव वाले क्षेत्र से उत्पन्न हुआ है।
- यह धीरे-धीरे एक गहरे अवसाद, एक **साइक्लोन** और अंत में **एक सुपर-साइक्लोन** में तब्दील हो गया।
- उन्हें समुद्र की सतह के **गर्म तापमान** और **मैडेन जूलियन दोलन** की वजह से , जो एक **मौसम संबंधी विसंगति** है जो **वर्षा के पैटर्न** को प्रभावित करती है।
- यह **उत्तर** की ओर **आंध्र प्रदेश तट** की ओर बढ़ गया, जबकि **उत्तरी तमिलनाडु** में भारी बारिश और तेज़ हवाएँ आईं।
- इसने **बापटला जिले** के पास **भूस्खलन** किया, और भूमि पर एक **अवसाद** के रूप में कमजोर हो गया।
- **विश्व मेट्रोलॉजिकल संगठन** और **बंगाल की खाड़ी** और **अरब सागर** के लिए **संयुक्त राष्ट्र आर्थिक** और **सामाजिक आयोग द्वा**रा तैयार किए गए नामों की सूची के बाद **म्यांमार** द्वारा **मिचौंग** नाम का सुझाव दिया गया था जो **स्ट्रेंथ और रेसिलिएंस** का प्रतीक है।

# एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

## 8. उत्तराखंड में दावानल से सम्बंधित मामला - इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता** : आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

**समाचार:**

- **उत्तराखंड** के **नैनीताल** जिले में **जंगल** की **आग** के बीच, **भारतीय वायु सेना अग्निशमन अभियान** में लगी हुई थी।

**मुख्य बिंदु:**

- सबसे अधिक नुकसान **नैनीताल**, **हलद्वानी** और **रामनगर वन प्रभागों** को हुआ।
- कुछ क्षेत्रों में**, बांबी बाल्टी** की मदद से **आग बुझाई** गई, जिसका उपयोग **अपेक्षाकृत त्वरित अंतराल** में आग की **लपटों** पर बड़ी मात्रा में पानी डालने के लिए किया जाता था।

**जंगल की आग(दावानल):**

- जंगल, घास के मैदान, ब्रशलैंड या टुंड्रा जैसी प्राकृतिक सेटिंग में पौधों का अनियंत्रित और गैर-निर्धारित दहन या जलाना।
- प्राकृतिक ईंधन का उपभोग करता है और हवा, स्थलाकृति, नमी, वनस्पति आदि स्थितियों के आधार पर फैलता है।
- कई प्रकार के वनों में, विशेषकर शुष्क पर्णपाती वनों में भीषण आग लगती है, जबकि सदाबहार, अर्ध-सदाबहार और पर्वतीय समशीतोष्ण वनों में तुलनात्मक रूप से कम खतरा होता है।
- सूखी पत्तियाँ जंगल की आग का ईंधन होती हैं।
- भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) की वेबसाइट बताती है कि भारत के लगभग 36 प्रतिशत जंगलों में अक्सर आग लगने का खतरा रहता है।
- भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2021 में यह भी पाया गया कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगल की आग की प्रवृत्ति सबसे अधिक है।

**वनों में आग लगने के कारण:**

- ऐसा माना जाता है कि कृषि में बदलाव और अनियंत्रित भूमि-उपयोग पैटर्न के कारण अधिकांश आग मानव निर्मित होती हैं।
- वन विभाग ने पहले जंगल की आग के स्थानीय लोगों द्वारा जानबूझकर आग लगाना, लापरवाही, खेती से संबंधित गतिविधियाँ और प्राकृतिक कारण जैसे चार कारण बताए हैं।

**वनों की आग को रोकना:**

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने जंगल की आग को रोकने और नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित तरीकों की सूची बनाई है:
  - शीघ्र पता लगाने के लिए निगरानी टावरों का निर्माण;
  - अग्नि निगरानीकर्ताओं की तैनाती;
  - स्थानीय समुदायों की भागीदारी,
  - अग्नि लाइनों का निर्माण और रखरखाव।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की वेबसाइट के अनुसार, दो प्रकार की फायर लाइनें प्रचलन में हैं -
  - कच्छ या ढकी हुई अग्नि रेखाएँ और
  - पक्की या खुली अग्नि रेखाएँ।
- कच्ची अग्नि लाइनों में, घास और झाड़ियों को हटा दिया जाता है जबकि ईंधन भार को कम करने के लिए पेड़ों को रखा जाता है।
- संभावित आग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए पक्की आग एक जंगल/डिब्बे/ब्लॉक को दूसरे से अलग करती है।

## 9. EVM में सिंबल लोडिंग यूनिट (SLU) - इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता:** कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

**प्रसंग:**

- हाल ही में, **सुप्रीम कोर्ट** ने **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM)** गिनती के मुकाबले **वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT**) पर्चियों के **100% सत्यापन** की याचिका खारिज कर दी।
- सुप्रीम कोर्ट ने **भारत के चुनाव आयोग (ECI)** को चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद **45 दिनों** के लिए **सिंबल लोडिंग यूनिट (SLU)** को "**सील और सिक्योर** " करने का निर्देश दिया।

**मुख्य बिंदु**

- वर्तमान में, EVM के केवल तीन घटक बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और VVPAT को परिणाम के बाद 45 दिनों तक संग्रहीत किया जाता है।
- यह पहली बार है कि VVPAT पर उम्मीदवार के प्रतीकों को लोड करने के लिए उपयोग किए जाने वाले SLU भी EVM के साथ परीक्षा के लिए उपलब्ध होंगे यदि कोई उम्मीदवार अदालत में चुनाव याचिका दायर करके परिणामों को चुनौती देता है।

**सिंबल लोडिंग यूनिट (SLU) क्या है और यह कैसे काम करती है?**

- सिंबल लोडिंग यूनिट्स (SLU) को वीवीपीएटी के समान ही पेश किया गया था
- VVPAT मतदाताओं को अपने वोट सत्यापित करने में मदद करते हैं उन्हें उस पार्टी के प्रतीक की मुद्रित छवि वाली एक पर्ची दिखाई देती है जिसके लिए उन्होंने वोट दिया था।

**SLU कैसे काम करता है.**

- लेकिन VVPAT पर किसी प्रतीक को सही ढंग से मुद्रित करने के लिए, उम्मीदवारों की सूची और उनके प्रतीकों से संबंधित जानकारी को VVPAT मशीन पर सही क्रम में लोड किया जाना चाहिए।
- यहीं पर सिंबल लोडिंग यूनिट या SLU आती है।
- SLU का उपयोग उम्मीदवारों के प्रतीकों को VVPAT पर लोड करने के लिए किया जाता है।
- यह एक माचिस के आकार का उपकरण है जो पहले एक लैपटॉप या पर्सनल कंप्यूटर से जुड़ा होता है, जहां से उम्मीदवारों के नाम, सीरियल नंबर और प्रतीकों वाली बिटमैप फ़ाइल को लोड करने के लिए एक प्रतीक लोडिंग एप्लिकेशन का उपयोग किया जाता है।
- फिर उस फ़ाइल को पेपर ऑडिट मशीन पर स्थानांतरित करने के लिए SLU को VVPAT से जोड़ा जाता है।
- यह जिला निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में किया जाता है।

**सिंबल लोड होने के बाद SLU का क्या होता है?**

- आमतौर पर, एक सीट के लिए सभी VVPAT पर प्रतीकों को लोड करने के लिए SLU की एक छोटी संख्या पर्याप्त होती है।
- चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, प्रत्येक VVPAT को लोड करने में एक SLU को दो से तीन मिनट का समय लगता है।
- एक बार प्रतीक-लोडिंग पूरी हो जाने के बाद, SLU को सुरक्षित रखने के लिए संबंधित जिला चुनाव अधिकारी को सौंप दिया जाता है।
- इस प्रकार, 18वीं लोकसभा के लिए चल रहे बहु-चरणीय चुनाव में, आमतौर पर एक चरण के मतदान के बाद बाद के चरणों में अन्य सीटों के लिए VVPAT पर प्रतीकों को लोड करने के लिए एक SLU का पुन: उपयोग किया जाता है।

**SC ने SLUs के बारे में क्या कहा है?**

- कोर्ट ने कहा है कि किसी सीट के लिए सिंबल-लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद SLU को सील कर दिया जाना चाहिए और संग्रहीत किया जाना चाहिए।
- इसे परिणाम घोषित होने के बाद 45 दिनों की अवधि तक संग्रहीत किया जाना चाहिए, ताकि चुनाव याचिका के मामले में इसे EVM की तरह खोला और जांचा जा सके।

**शीर्ष अदालत ने माइक्रोकंट्रोलर्स के बारे में क्या कहा है?**

- एक अभूतपूर्व कदम में, अदालत ने उम्मीदवारों को EVM सॉफ्टवेयर के सत्यापन की मांग करने की अनुमति दी है।

**यदि सत्यापन के बाद माइक्रोकंट्रोलर के साथ छेड़छाड़ पाई जाती है तो क्या होगा?**

- कोर्ट ने सिर्फ इतना कहा है कि अगर कोई छेड़छाड़ पाई गई तो अभ्यर्थी को सत्यापन का खर्च वापस कर दिया जाएगा।

**ज़मीनी स्तर पर क्या बदलाव?**

- मतदाता के लिए कुछ भी नहीं बदलता.
- ECI को अब मतदान के बाद 45 दिनों तक SLU का भंडारण करना होगा।
- एक सीट के लिए विशेष रूप से एक SLU आरक्षित करने के लिए, उसे अधिक SLU ऑर्डर करने की आवश्यकता होगी।
- साथ ही, ECI को यह भी जांचना होगा कि क्या जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन करना होगा।
- इस अवधि के दौरान, चुनाव आयोग मशीनरी EVM को नहीं छूती है। यदि इन मशीनों को अब सत्यापन उद्देश्यों के लिए खोलने की आवश्यकता है, तो पोल पैनल को यह निर्धारित करना होगा कि यह कैसे पूरा किया जा सकता है।

## 10. भारत में असमानता और धन का संकेंद्रण से सम्बंधित मामला - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** समावेशी विकास

**समाचार:**

- कांग्रेस पार्टी के **चुनाव घोषणापत्र** ने **असमानता**, **धन का संकेंद्रण** और इन **मुद्दों के समाधान** के उपायों पर बहस शुरू कर दी है।

**मुख्य बिंदु:**

- **विश्व असमानता डेटाबेस** में पाया गया कि **वर्ष 2022-23 में, राष्ट्रीय आय** का **22.6% शीर्ष 1%** के पास चला गया, जो **वर्ष 1922** के बाद से सबसे अधिक है।
  - धन की असमानता और भी गंभीर है, **शीर्ष 1% आबादी के पास** धन में 40.1% हिस्सेदारी है।
- अन्य मध्यम आय वाले देशों की तुलना में भारत का टैक्स -GDP अनुपात कम है
- इसकी कराधान संरचना भी प्रतिगामी है, अप्रत्यक्ष टैक्स सभी कर राजस्व संग्रह में लगभग दो-तिहाई योगदान करते हैं।
- इसके अलावा, प्रत्यक्ष टैक्स भी बहुत प्रगतिशील नहीं हैं।
  - रसीद बजट 2023-24 के अनुसार उन कंपनियों के लिए प्रभावी टैक्स दर (टैक्स से लाभ अनुपात) 19.14% थी, जिनका टैक्स पूर्व लाभ ₹500 करोड़ से अधिक था। इस बीच, 0-₹1 करोड़ लाभ समूह की कंपनियों के लिए प्रभावी टैक्स दर 24.82% थी
- कल्याण और सामाजिक क्षेत्र पर भारत का खर्च अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है।
  - उदाहरण के लिए स्वास्थ्य व्यय अभी भी सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.3% है जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP) का लक्ष्य वर्ष 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद का 2.5% प्राप्त करना है।

**असमानता का समाधान:**

- हमने बेरोजगारी के साथ-साथ विकास का भी सामना किया है। इसलिए, चर्चा रोजगार पैदा करने पर होनी चाहिए।
  - इसके लिए हमें लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के साथ अधिक न्यायसंगत विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा।
  - सरकारें नरेगा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसे कार्यक्रमों पर खर्च करके इसमें भूमिका निभा सकती हैं।
- सरकारें सभी मौजूदा रिक्तियों को भरने और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र में बहुत आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार करके सीधे नौकरियां पैदा करने में भी योगदान दे सकती हैं।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और अन्य फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं जैसी नौकरियों की गुणवत्ता में भी पर्याप्त वेतन और बेहतर कार्य स्थितियों के साथ सुधार की आवश्यकता है।
- प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के ये प्रयास कई लोगों, विशेषकर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करेंगे।
  - मानव विकास परिणामों को बेहतर बनाने और महिलाओं पर अवैतनिक देखभाल कार्य के भर को कम करने और उन्हें अन्य रोजगार के लिए मुक्त करने में भी योगदान देंगे।

India

# फैक्ट फटाफट

## 1. ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस (GANHRI)

- यह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त से संबद्ध संगठन है।
- यह राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों (NHRI) का एक वैश्विक नेटवर्क है जो मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए काम करता है।
- GANHRI दुनिया भर के 120 NHRI का प्रतिनिधित्व करता है।
- GANHRI का मिशन संयुक्त राष्ट्र पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप काम करने के लिए NHRI को एकजुट करना, बढ़ावा देना और मजबूत करना है।
- प्रत्यायन पर उप-समिति (SCA) हर पांच साल में NHRI की समीक्षा करती है, और अधिक पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए NHRI के लिए एक अपील प्रक्रिया है।
- एक अद्वितीय सहकर्मी-समीक्षा-आधारित मान्यता प्रक्रिया में।
- GANHRI व्यक्तिगत NHRI की स्वतंत्रता, बहुलवाद और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पेरिस सिद्धांतों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

## 2. सोलर फ्लेयर्स

- सोलर फ्लेयर्स सनस्पॉट से जुड़ी चुंबकीय ऊर्जा की रिहाई से आने वाले विकिरण का एक तीव्र विस्फोट है। वे हमारे सौर मंडल की सबसे बड़ी विस्फोटक घटनाएं हैं।
- इन्हें सूर्य पर चमकीले क्षेत्रों के रूप में देखा जाता है, और ये मिनटों से लेकर घंटों तक रह सकते हैं।
- कुछ ही मिनटों में, वे सामग्री को कई लाखों डिग्री तक गर्म कर देते हैं और रेडियो तरंगों से लेकर एक्स-रे और गामा किरणों सहित विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में विकिरण का विस्फोट उत्पन्न करते हैं।
- हालाँकि सोलर फ्लेयर्स सफेद रोशनी में दिखाई दे सकती हैं, वे अक्सर अपने उज्ज्वल एक्स-रे और पराबैंगनी उत्सर्जन के माध्यम से अधिक आसानी से देखी जाती हैं।

## 3. जलवायु प्रौद्योगिकी केंद्र एवं नेटवर्क (CTCN)

- यह जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के जलवायु परिवर्तन प्रौद्योगिकी तंत्र की परिचालन शाखा है।
- इसकी मेजबानी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण (UNEP) द्वारा संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO) के सहयोग से और जलवायु प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता रखने वाले 11 स्वतंत्र संगठनों के सहयोग से की जाती है।
- इसकी स्थापना विकासशील देशों के अनुरोध पर कम कार्बन और जलवायु लचीले विकास के लिए पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और हस्तांतरण में तेजी लाने के लिए की गई थी।
- यह प्रौद्योगिकी कंपनियों और संस्थानों के वैश्विक नेटवर्क की विशेषज्ञता का उपयोग करके व्यक्तिगत देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रौद्योगिकी समाधान, क्षमता निर्माण और नीति, कानूनी और नियामक ढांचे पर सलाह प्रदान करता है।

## 4. एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी (ARCs)

- यह एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो किसी बैंक के खराब ऋणों को पारस्परिक रूप से सहमत मूल्य पर खरीदता है और उन ऋणों या संबंधित प्रतिभूतियों को स्वयं पुनर्प्राप्त करने का प्रयास करता है।
- ये RBI के तहत पंजीकृत हैं और वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (SARFAESI अधिनियम, 2002) के तहत विनियमित हैं।
- ये RBI की देखरेख और नियंत्रण में कार्य करते हैं।

- RBI के अनुसार, ARC वित्तीय परिसंपत्तियों का अधिग्रहण, प्रबंधन में परिवर्तन या अधिग्रहण या उधारकर्ता के व्यवसाय की बिक्री या पट्टे, ऋणों का पुनर्निर्धारण, सुरक्षा ब्याज का प्रवर्तन और उधारकर्ता द्वारा देय बकाया राशि का निपटान जैसे कार्य करता है।
- ये बैंक के ऋणों का एक हिस्सा लेते हैं, जो गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (NPA) के रूप में योग्य होते हैं। इसलिए, ARC परिसंपत्ति पुनर्निर्माण के व्यवसाय में शामिल हैं,

## 5. थार रेगिस्तान

- यह दुनिया के सबसे बड़े उपोष्णकटिबंधीय रेगिस्तानों में से एक है, यह आंशिक रूप से उत्तर-पश्चिमी भारत में और आंशिक रूप से पूर्वी पाकिस्तान में स्थित है।
- यह भारत में राजस्थान, गुजरात और हरियाणा राज्यों और पाकिस्तान में सिंध और पंजाब प्रांतों तक फैला हुआ है।थार रेगिस्तान का अधिकांश भाग भारत में और 15 प्रतिशत भाग पाकिस्तान में है।
- इसकी सीमा पश्चिम में सिंचित सिंधु नदी के मैदान, उत्तर और उत्तर-पूर्व में पंजाब के मैदान, दक्षिण-पूर्व में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में कच्छ के रण से लगती है।
- यह लूनी नदी की निचली दलदली भूमि द्वारा पश्चिम में कच्छ के ग्रेटर रण से अलग होता है।

Mentorship India

# प्रीलिम्स ट्रैक

**Q1. एंटीसाइक्लोन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. एन्टीसायक्लोनिक स्थितियों में उत्तरी गोलार्ध में हवाएँ दक्षिणावर्त दिशा में चलती हैं।
2. प्रबल एंटीसाइक्लोन भारत के कई भागों में भारी वर्षा ला सकते हैं।
3. ये उच्च दबाव प्रणालियों से जुड़े हैं।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

**Q.2 GANHRI के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. इसकी स्थापना 1993 में राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों के वैश्विक गठबंधन के रूप में की गई थी।
2. यह पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप है।
3. भारत सदस्य नहीं है ।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

**Q3. CDSCO के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

**कथन 1:** केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अंतर्गत केंद्र सरकार को सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करता है।

**कथन 2:** यह भारत के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण (NRA) के रूप में रसायन मंत्रालय के अधीन काम करता है ।

**उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?**

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

**Q4. खाड़ी सहयोग परिषद के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-**

1. GCC देश लाल सागर के आसपास के देश हैं।
2. देशों में कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं
3. भारत आर्थिक एकीकरण के प्रयासों और व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कार्यबल आदि में सहयोग चाहता है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

**Q5. निम्नलिखित कथन पर विचार करें**

**कथन I:** थाईलैंड, म्यांमार और लाओस स्वर्ण त्रिभुज क्षेत्र का गठन करते हैं जो अफ़ीम के उच्च उत्पादन के लिए जाना जाता है, जिसका उपयोग हेरोइन बनाने के लिए किया जाता है।

**कथन II:** नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में दुनिया भर के लोगों को शिक्षित करने के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय संगठन नहीं है।

**उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?**

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

**Q6 आयात और निर्यात के मामले में चीन के साथ भारत के व्यापार संबंधों में क्या रुझान रहा है?**

A. चीन को भारत का निर्यात काफी बढ़ गया है, जबकि आयात कम हो गया है।
B. चीन से भारत का आयात स्थिर हो गया है, जबकि निर्यात में वृद्धि हुई है, जो केवल आयात बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को दर्शाता है।
C. चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा कम हुआ है, जो एक संतुलित व्यापार संबंध का संकेत देता है जिसके लिए व्यापार बाधाएँ लगाने की आवश्यकता है।
D. चीन को भारत का निर्यात स्थिर हो गया है, जबकि आयात बढ़ गया है, जिससे घरेलू उद्योगों में विविधता लाने और उन्हें बढ़ावा देने की आवश्यकता बढ़ गई है।

**Q7. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. सार्वजनिक खातों का गठन अनुच्छेद 266 (2) के तहत किया गया था जो उन लेनदेन के लिए प्रवाह का हिसाब रखता है जहां सरकार केवल एक बैंकर के रूप में कार्य कर रही है
2. इससे होने वाले व्यय को संसद द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता नहीं है।
3. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF) को भारत सरकार के "सार्वजनिक खाते" में "ब्याज रहित आरक्षित निधि" के अंतर्गत रखा गया है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

**Q8. दावानल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. उत्तराखंड और हिमाचल समेत पश्चिमी हिमालय के जंगलों में सबसे ज्यादा आग लगती है
2. संभावित आग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कच्चा फायर लाइन एक वन ब्लॉक या डिब्बे को दूसरे से अलग करती है।
3. भारत के लगभग 36% जंगलों में अक्सर आग लगने का खतरा रहता है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

**Q9. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. चुनाव संचालन नियम, 1961 चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मान्यता देने और प्रतीक आवंटित करने का अधिकार देता है।
2. नियम के तहत किसी विवाद या विलय पर मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए चुनाव आयोग एकमात्र प्राधिकारी है।
3. सभी पंजीकृत दलों में विभाजन के लिए, चुनाव आयोग आमतौर पर युद्धरत गुटों को अपने मतभेदों को आंतरिक रूप से सुलझाने या अदालत का दरवाजा खटखटाने की सलाह देता है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कितने कथन गलत है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

**Q10. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. भारत में, सभी टैक्स राजस्व संग्रह में प्रत्यक्ष टैक्सेज का योगदान लगभग दो-तिहाई है।
2. अन्य मध्यम आय वाले देशों की तुलना में भारत का टैक्स -GDP अनुपात कम है
3. भारत अपनी GDP का लगभग 10% स्वास्थ्य पर खर्च करता है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

# प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

**उत्तर : 1 विकल्प B सही है.**

**व्याख्या:**

- एंटीसाइक्लोन में हवाएँ उत्तरी गोलार्ध में दक्षिणावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में वामावर्त चलती हैं। **कथन 1 सही है.**
- एक मजबूत एंटीसाइक्लोन भारत के कई हिस्सों में शुष्क और गर्म मौसम ला सकता है जबकि एक कमजोर प्रतिचक्रवात हल्का मौसम उत्पन्न कर सकता है। **कथन 2 गलत है.**
- एंटीसाइक्लोन्स के मध्य में वायु नीचे की ओर बहती तथा जमीन से टकराते ही हवा संपीड़ित और गर्म हो जाती है और एक उच्च दबाव ताप गुंबद बना सकती है। **कथन 3 सही है.**

**उत्तर : 2 विकल्प A सही है.**

**व्याख्या:**

- मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की अंतर्राष्ट्रीय समन्वय समिति के रूप में 1993 में स्थापित। 2016 में इसने अपना नाम बदलकर ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस (GANHRI) कर दिया गया**कथन 1 गलत है।**
- GANHRI पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप है। ये राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की स्थिति से संबंधित सिद्धांत हैं। उन्होंने न्यूनतम मानक निर्धारित किए हैं जिन्हें विश्वसनीय माने जाने और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए NHRI को पूरा करना होगा। **कथन 2 सही है.**
- भारत GANHRI का सदस्य है, 1999 में मान्यता प्राप्त होने के बाद से, इसने 2006 और 2011 में A रैंकिंग बरकरार रखी है, जबकि इसकी स्थिति 2016 में स्थगित कर दी गई थी और एक साल बाद बहाल कर दी गई थी। **कथन 3 ग़लत है.**

**उत्तर : 3 विकल्प C सही है**

**व्याख्या:**

- यह औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के तहत केंद्र सरकार को सौंपे गए कार्यों के निर्वहन के लिए केंद्रीय औषधि प्राधिकरण है। **कथन 1 सही है।**
- यह भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण (NRA) के तहत काम करता है। **कथन 2 गलत है.**

**उत्तर : 4 विकल्प A सही है**

**व्याख्या**:

- GCC देश फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के आसपास के देश हैं। **कथन 1 ग़लत है.**
- इन देशों में कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं जबकि इसमें ईरान शामिल नहीं है **कथन 2 गलत है.**
- भारत आर्थिक एकीकरण के प्रयासों और व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कार्यबल आदि में सहयोग की जबरदस्त क्षमता चाहता है। **कथन 3 सही है।**

**उत्तर : 5 विकल्प C सही है**

**व्याख्या**

- गोल्डन ट्राएंगल दक्षिण पूर्व एशिया का एक क्षेत्र है जहाँ थाईलैंड, म्यांमार और लाओस की सीमाएँ रुआक और मेकांग नदियों के संगम पर मिलती हैं। यह क्षेत्र अफ़ीम के उच्च उत्पादन के लिए जाना जाता है, जिसका उपयोग हेरोइन बनाने के लिए किया जाता है। **कथन 1 सही है।**
- संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण कार्यालय (UNODC):
- UNODC आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व कार्यक्रम को लागू करने के लिए जिम्मेदार होने के अलावा, अवैध दवाओं और अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक वैश्विक नेता है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1997 में संयुक्त राष्ट्र औषधि नियंत्रण कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय अपराध रोकथाम केंद्र के बीच विलय के माध्यम से की गई थी।
- मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया
- कार्य:
- UNODC दुनिया भर में लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए काम करता है। **कथन 2 गलत है.**

**उत्तर : 6 विकल्प D सही है**

**व्याख्या** :

- **चीन को भारत का निर्यात स्थिर हो गया है** , जबकि आयात बढ़ गया है, जिससे अन्य देशों से आयात में विविधता लाने तथा घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने की आवश्यकता उत्पन्न हो गई है।
- हालिया रिपोर्टों में चीन के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में चिंताजनक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें चीन को भारत का निर्यात स्थिर बना हुआ है, जबकि आयात में वृद्धि हुई है, जिसके कारण चीनी आयात पर निर्भरता बढ़ रही है।

- इस चुनौती के जवाब में, सुझाई गई रणनीति वियतनाम, दक्षिण कोरिया, जापान, ताइवान और इंडोनेशिया जैसे अन्य देशों से आयात में विविधता लाने और साथ ही घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने की है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य चीनी आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना, आर्थिक लचीलापन बढ़ाना और व्यापार असंतुलन को दूर करना है। **कथन 4 सही है।**

**उत्तर : 7 विकल्प C सही है**

**व्याख्या**

- 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम के अधिनियमन के साथ राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि (NCCF) का नाम बदलकर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि (NDRF) कर दिया गया।
- इसे आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (DM अधिनियम) की धारा 46 में परिभाषित किया गया है।
- इसे भारत सरकार के "सार्वजनिक खाते" में "ब्याज रहित आरक्षित निधि" के अंतर्गत रखा जाता है।
- सार्वजनिक खाते:
- इसका गठन संविधान के अनुच्छेद 266(2) के तहत किया गया था।
- यह उन लेनदेन के लिए प्रवाह का हिसाब रखता है जहां सरकार केवल एक बैंकर के रूप में कार्य कर रही है जैसे भविष्य निधि, छोटी बचत आदि।
- ये धनराशि सरकार की नहीं है और इन्हें कुछ समय पर वापस भुगतान करना होगा।
- इससे होने वाले व्यय को संसद द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता नहीं है। **अतः, सभी कथन सही हैं।**

**उत्तर : 8 विकल्प A सही है**

**व्याख्या:**

- भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा जारी भारतीय राज्य वन रिपोर्ट 2021, भारत में वन आवरण और वन-संबंधित मुद्दों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लगभग 36% जंगलों में अक्सर आग लगने का खतरा रहता है। **कथन 3 सही है.**
- कच्ची अग्नि लाइनों में ईंधन भार को कम करने और आग के प्रसार को रोकने के लिए पेड़ों को बरकरार रखते हुए घास और झाड़ियों को हटाना शामिल है। दूसरी ओर, संभावित आग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए वन डिब्बों या ब्लॉकों को अलग करने के लिए पक्की अग्नि लाइनों का निर्माण किया जाता है।**कथन 2 गलत है.**
- भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2021 में यह भी पाया गया कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में दावानल की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। **कथन 1 ग़लत है.**

**उत्तर : 9 विकल्प B सही है**

**व्याख्या**

- अब तक चुनाव आयोग द्वारा निपटाए गए लगभग सभी विवादों में पार्टी प्रतिनिधियों/पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों के स्पष्ट बहुमत ने किसी एक गुट का समर्थन किया है।
- चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों को मान्यता देने और प्रतीक आवंटित करने का अधिकार देता है। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- आदेश के तहत किसी विवाद या विलय से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए ईसी एकमात्र प्राधिकारी है।
- सुप्रीम कोर्ट ने 1971 में सादिक अली और अन्य बनाम ECI मामले में इसकी वैधता को बरकरार रखा। **इसलिए, कथन 2 सही है।**
- यह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों के विवादों पर लागू होता है।
- पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों में विभाजन के लिए, चुनाव आयोग आमतौर पर युद्धरत गुटों को अपने मतभेदों को आंतरिक रूप से सुलझाने या अदालत का दरवाजा खटखटाने की सलाह देता है। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**
- चुनाव आयोग द्वारा अब तक तय किए गए लगभग सभी विवादों में, पार्टी प्रतिनिधियों/पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों के स्पष्ट बहुमत ने एक गुट का समर्थन किया है।
- 1968 से पहले, चुनाव आयोग चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत अधिसूचनाएं और कार्यकारी आदेश जारी करता था।

**उत्तर : 10 विकल्प A सही है.**

**व्याख्या:**

- भारत में, अप्रत्यक्ष टैक्स सभी टैक्स राजस्व संग्रह में लगभग दो-तिहाई योगदान करते हैं। **कथन 1 गलत है.**
- भारत में अन्य मध्यम-आय वाले देशों की तुलना में टैक्स -GDP अनुपात कम नहीं है, उदाहरण के लिए भारत का टैक्स -GDP अनुपात ब्राजील में 25% की तुलना में 17% है। **कथन 2 सही है.**
- कल्याण और सामाजिक क्षेत्र पर भारत का खर्च अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य व्यय अभी भी सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.3% है जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP) का लक्ष्य 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद का 2.5% प्राप्त करना है। **कथन 3 गलत है।**

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

# Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA